कक्षा

IX

टीचर टेक्स्ट (अनुबंध)

हिंदी

Teacher Text (Appendix)

Hindi

State Council of Educational Research and Training (SCERT)
Poojappura, Thiruvananthapuram 695012, Kerala
2019

Prepared by :

State Council of Educational Research and Training (SCERT)

Poojappura, Thiruvananthapuram 695012, Kerala

Website : www.scertkerala.gov.in

e-mail : scertkerala@gmail.com

Phone : 0471 - 2341883, Fax : 0471 - 2341869

प्यारे मित्रो,

हमारी सार्वजनिक शालाएँ अकादमिक प्रगति के साथ साथ भौतिक स्तरीयता भी प्राप्त कर रही हैं। तकनीकी स्तर पर ये शालाएँ लाजवाब उन्नति कर चुकी हैं। इसलिए कक्षाई गतिविधियों में आई.सी.टी को नई दिशा देकर टीचर टेक्स्ट का प्रबंधन हुआ है। समग्रा तथा क्यू.आर.कोड के ज़रिए गतिविधियों की ओर छात्रों को आकर्षित करने की कोशिश हो। केरल को ग्रसित प्राकृतिक आपदाओं को नज़र में रखकर आपदा प्रबंधन को बल देनेवाले तथ्य गतिविधियों के तौर पर जोड़े गए हैं। कौशल विकास के अनुरूप गतिविधियाँ भी इसमें हैं। वर्तमान टीचर टेक्स्ट से जोड़कर इसका भी समुचित इस्तेमाल करने की कोशिश करें।

डॉ जे प्रसाद

निदेशक

राज्य शैक्षिक अनुसंधान

एवं प्रशिक्षण परिषद्, केरल

अनुक्रम

इकाई - 2			
दीप जलाओ	त्रिलोचन	कविता	5
इकाई - 3			
तूफ़ानों की ओर घुमा दो नाविक	शिवमंगल सिंह सुमन	कविता	15
इकाई - 5			
मेरी ममतामई माँ	डॉ. ए.पी.जे अब्दुल कलाम	संस्मरण	23

इकाई - 2

दीप जलाओ

कविता

अधिगम उपलब्धियाँ

- कविता का विश्लेषण करता है और आशय प्रस्तुत करता है।
- कविता का आशय समझकर संवाद में भाग लेता है।
- संवाद की रपट तैयार करता है।

आशय / धारणा

- जीवन में मानवीय मूल्यों को अपनाना है।
- समाज सेवा के द्वारा ज़िंदगी को सार्थक बनाना है।

मूल्य / मनोभाव

- जीवन में मानवीय मूल्यों को अपनाकर सार्थक जीवन बिताता है।
- सामाजिक भलाई के कार्यक्रमों में भागीदार बनता है।

सामग्री

- गांधीजी के दाह संस्कार का वीडियो।
- स्लाईड।

समय

4 कालांश

गतिविधि - 1

अनौपचारिक संवाद।

कहें,

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की ज़िंदगी के कुछ पहलुओं से हम गुज़र चुके हैं। अब यह वीडियो देखें।

गांधीजी के दाह संस्कार के दृश्यों का वीडियो दिखाएँ।

पूछें,

- यह किसका दृश्य है?
- यहाँ बहुत लोग इकट्ठे हुए हैं। कारण क्या होगा?
- गांधीजी कैसे इस तरह लोकप्रिय बन गए?
- उनकी ज़िंदगी के बड़े गुण क्या-क्या थे?

संक्षिप्तीकरण करें :

सच्चाई, अहिंसा, सादगी, ईमानदारी, सेवाभाव आदि से गांधीजी ने लोगों के मन को जीत लिया। संसार के जिन व्यक्तियों ने अपने जीवन में ऐसे गुणों को अपनाया है वे अमर बन गए हैं। हमें भी जीवन में ऐसे गुणों को अपनाना है।

ये कार्य चलाएँ :

- पन्ना 42 लेने और गोल दायरों की पूर्ति करने का निर्देश दें।
- वैयक्तिक रूप से तालिका की पूर्ति करने का अवसर दें।
- दो-तीन की प्रस्तुति कराएँ।
- ज़रूरत है तो स्लाईड के ज़रिए टीचर वेर्शन प्रस्तुत करें।
- पन्ना 40 की कविता 'दीप जलाओ' का वीडियो दिखाएँ।

(पाठ्यपुस्तक का पन्ना 43 में क्यूआर कॉड दिया गया है। इस लिंक से आप वीडियो दिखा सकते हैं।)

- सुनने के साथ कविता की पंक्तियाँ मौन रूप से पढ़ने का निर्देश छात्रों को दें। (इसके लिए पेंसिल या कलम का इस्तेमाल कराएँ)
- कविता पूर्ण रूप से सुनने के बाद प्रश्न करें।
    - ➢ कविता में पाँच दुर्गुणों का उल्लेख है, वे क्या-क्या हैं?
    - ➢ कविता में 'अनमोल धन' किसे कहा गया है?
    - ➢ किसको सुमन कहा गया है?
- कविता की पहली आठ पंक्तियों का पुनर्वाचन करने का निर्देश दें।
- अपरिचित शब्दों का अर्थ समझाने के लिए यह स्लाईड दिखाएँ :

मल	-	दुर्गुण, बुराई
द्वेष	-	शत्रुता
दंभ	-	अहंकार
घृणा	-	नफ़रत
छल	-	धोखा
चरण	-	कदम
गृह	-	घर
(वह प्रदेश या क्षेत्र जहाँ कोई निवास करता है)		
ज्योति	-	प्रकाश
भुवन	-	संसार
लहराना	-	तरंगित होना

- स्लाइड की मदद से छात्रों को कविता का आशय समझने का अवसर दें।

- आशयग्रहण सुनिश्चित करने के लिए प्रश्न करें :

➢ ज़िंदगी की सफलता के लिए हमें क्या-क्या छोड़ना है?
  - इन्हें क्यों छोड़ना पड़ता है?
  - ऐसे दुर्गुणों को छोड़ने से जीवन में क्या फायदा है?
  - तो इन दुर्गुणों के बदले हमें क्या-क्या अपनाना है?

➢ 'गृह उज्ज्वल करना' –इसका तात्पर्य क्या है?
  - यहाँ 'गृह' का मतलब क्या-क्या हैं?
  - 'उज्ज्वल' शब्द का अर्थ क्या है?
  - घर कैसे प्रकाशपूर्ण हो जाता है?
  - तो इस दुनिया को हम कैसे प्रकाशपूर्ण बना सकते हैं?

➢ 'गृह-गृह की लक्ष्मी मुसकाओ' –का मतलब क्या होगा?
  - 'लक्ष्मी मुसकाओ' से क्या तात्पर्य है?
  - हम कब मुस्कराते हैं?
  - कैसी बातें संतोषदायक हैं?
  - गृह लक्ष्मी की मुस्कराहट के लिए हमें क्या-क्या करना है?

➢ 'मन के बंधन से मुक्त होना' का मतलब क्या है?
  - हमारे मन के बंधन क्या-क्या होंगे?
  - इन बंधनों से हमें कैसे मुक्ति मिलती है?

➢ इस भुवन को हम कैसे धन्य बनाएँगे?
  - 'भुवन' शब्द का मतलब क्या है?
  - भुवन को धन्य बनाने के लिए कवि का सुझाव क्या है?
  - कविता में 'अतुल धन' किसे कहा गया है?
  - 'स्नेह' की और क्या-क्या विशेषताएँ हैं?

- ‘स्नेह गीत लहराओ’ -कवि ऐसा क्यों कहते हैं?
- अध्यापिका चर्चा को संक्षिप्त करते हुए कविता की उपर्युक्त पंक्तियों का आशय प्रस्तुत करें :

कवि कहते हैं कि जीवन में द्‌वेष, दंभ, अन्याय, घृणा, छल आदि बुराइयाँ कभी न रह जाएँ। कदम-कदम पर घर / संसार को उज्ज्वल करते हुए आगे बढ़ो। ऐसे सारा संसार ऐश्वर्य से भर जाए।

मन के सारे बंधनों को मुक्त करो। प्रकाश का और विजय का वंदन करो। स्नेह अनमोल संपत्ति है। इससे संसार को धन्य बनाओ। स्वयं ही स्नेह गीत बनकर संसार में लहराओ।

अनुबद्‌ध कार्य :

- पन्ना 41 ‘ये आशयवाली पंक्तियाँ चुनकर लिखें।’ कार्य लिखकर आने का निर्देश दें।
- कविता के पठित छंदों का आशय लिखकर आने को कहें।

गतिविधि - 2

- अनुबद्‌ध कार्य की जाँच करें।
- छात्र वैयक्तिक वाचन करें। (अंतिम आठ पंक्तियाँ)
- अपरिचित शब्दों का अर्थ समझाने के लिए यह स्लाईड दिखाएँ :

सुमन	-	फूल
सुरभि	-	खुशबू
फूलना	-	प्रसन्न होना
छवि	-	शोभा
छूना	-	स्पर्श करना
नव	-	नवीन
लघु	-	छोटा
तारा	-	नक्षत्र
पसारना	-	फैलाना
प्रति मन	-	हरेक के मन में
लगन	-	लौ / ज्वाला
सरसाना	-	संपूर्ण करना

- प्रश्नों के ज़रिए आशयग्रहण सुनिश्चित करें :

➢ कवि क्या भूलने को कहते हैं?
  - ज़िंदगी में हमें क्या-क्या भूलना चाहिए?
  - तो ज़िंदगी में आगे बढ़ने के लिए क्या करना चाहिए?

➢ 'जीवन सुमन सुरभि पर फूलो' –से क्या तात्पर्य है?
  - यहाँ 'सुमन' किसे कहा गया है?

  सुमन की क्या-क्या विशेषताएँ होती हैं?

  तो यहाँ जीवन को सुमन क्यों बताया गया है?

➢ 'सुरभि पर फूलो' से आपने क्या समझा?
  - यहाँ 'फूलना' शब्द का मतलब क्या है?
  - हमें प्रसन्नता कब मिलती है?
  - फूल अपनी खुशबू से दूसरों को खुश रखते हैं।
  - इसी प्रकार हम कैसे दूसरों को खुश रखेंगे?

- 'जीवन की नव छवि बरसाओ' का मतलब क्या है?
    - छवि का मतलब क्या है?
    - छवि में नवीनता आने पर कैसे महसूस होता है?
    - 'छवि छवि छू लो' से आपने क्या समझा?
    - 'सुख से झूलो' का मतलब क्या है?
- 'दुर्बल अपनी ज्योति पसारे' इससे आपने क्या समझा?
    - यहाँ 'अनंत' शब्द का मतलब क्या है?
    - आसमान में कौन ज्योति पसारता है?
    - तारे कैसे दिखते हैं?
    - तारों का प्रकाश कैसा है?
- 'प्रतिमन वही लगन सरसाओ' -से क्या तात्पर्य है?
    - 'प्रतिमन' का मतलब क्या है?
    - यहाँ किसके बारे में कवि 'वही लगन' कहते हैं?
    - जीवन में अंधकार को जीतने का जोश रहने से क्या परिवर्तन आता है?
    - क्या मानव जीवन हमेशा बेरोकटोक चलता है?
    - जीवन के संघर्षों का कैसे सामना करना है?
- अध्यापिका चर्चा को संक्षिप्त करते हुए कविता की उपर्युक्त पंक्तियों का आशय प्रस्तुत करें :

कवि कहते हैं कि बीते हुए क्रियाकर्मों को भूलो। जीवन रूपी फूलों की सुरभि पर प्रसन्न हो जाओ। दुनिया की हर चीज़ की सुंदरता को पहचानकर अपनाओ और ज़िंदगी आनंदपूर्ण बनाओ। संसार में नया जीवन जिओ।

आसमान के छोटे-छोटे तारे लगातार अपने दुर्बल प्रकाश फैलाते रहते हैं। वे अंधकार से कभी हारते नहीं। बाधाओं का सामना करके ही ज़िंदगी में सफलता पा सकते हैं। इसी ज्वाला से संसार के हरेक का मन संपूर्ण करो।

- पन्ना 41 'सही मिलान' कार्य करने का निर्देश दें।
- साथ ही पन्ना 42 का 'इनमें से विशेषण शब्द अलग करके लिखें' कार्य कराएँ।

अनुबद्ध कार्य :

- पठित छंदों का आशय लिखकर लाने का निर्देश दें।

गतिविधि - 3

अनुबद्ध कार्य की जाँच करें।

अध्यापक कहें,

- 'दीप जलाओ' कविता से हम समझ सके कि संघर्षों का सामना करते हुए ज़िंदगी में आगे बढ़ना है। अथवा जीवन के संघर्षों से कभी भी हार नहीं माननी है। क्या आप इस प्रस्ताव से सहमत हैं? क्यों?
- चर्चा चलाएँ।
- मुख्य बिंदुओं को सूचीबद्ध करें।
- इन बिंदुओं के आधार पर 'जीवन के संघर्षों से हार मानना कायरता है' विषय पर संवाद में भाग लेने के लिए आलेख तैयार करने का निर्देश दें।
- छात्र वैयक्तिक रूप से लिखें।
- दो-तीन की प्रस्तुति चलाएँ।
- निम्नांकित जीवन-मूल्यों के आधार पर दल बनाएँ :

सच्चाई, ईमानदारी, अहिंसा, सेवाभाव, अनुताप...

- दलों में आलेख का परिमार्जन करने का अवसर दें।
- दलों से एक प्रतिभागी संवाद में आलेख पेश करें।

अनुबद्ध कार्य :

- संवाद की रपट तैयार करके आने को कहें।

गतिविधि - 4

- अनुबद्धकार्य की जाँच करें।
- स्वनिर्धारण के सूचकों का स्लाईड दिखाएँ:

शीर्षक
भूमिका
कार्यक्रमों का समग्र व संक्षिप्त विवरण।
निष्कर्ष

- सूचकों के आधार पर स्वनिर्धारण करने का अवसर दें।
- चर्चा के ज़रिए रपट का परिमार्जन कराएँ।
- पन्ना 43 की तालिका की पूर्ति करने का निर्देश दें।
- पन्ना 42 का 'नमूने के अनुसार लिखें, अर्थभेद समझें' कार्य कराएँ।
- ज़रूरत है तो कविता का वीडियो एक बार फिर दिखाएँ।

कविता की इस व्याख्या का भी लाभ उठाएँ :

स्वार्थयुक्त संस्कृति पर मानवता का दीप

कविता केवल सामाजिक समस्याओं का अनुवाद नहीं है, वह जीवन के कटु सत्यों की स्वीकृति है। उसके समाधानों का नए मार्ग का अन्वेषण है। जो कवि समाज से जुड़े रहते

हैं, उनकी वाणी में सच्चाई होती है, प्रगतिशीलता होती है। ये विशेषताएँ त्रिलोचन की कविता 'दीप जलाओ' को देशकाल के परे प्रासंगिक बनाती हैं।

कवि समाज में फैली विषमताओं की जड़ को ढूँढ़ निकालते हैं। आज लोग प्रदर्शनमूलक संस्कृति को अपनाने के क्रम में अपने वास्तविक मूल्यों को भूलते जा रहे हैं। द्वेष, दंभ, अन्याय, घृणा, छल आदि प्रगतिविरोधी प्रवृत्तियों को साथ लिए जीने में उसे सांस्कृतिक पतन का अहसास नहीं होता। वह नहीं समझ पाता है कि इन सबके रहते हुए स्नेह रूपी अतुल धन की प्राप्ति संभव नहीं है। कवि पहचानते हैं कि स्वार्थता के बंधनों से मुक्ति पाना आसान नहीं है, पर वह असंभव भी नहीं है। उसके लिए मन में समानुभूति चाहिए, साहस चाहिए। संघर्षों से लड़कर ही जीत हासिल कर सकते हैं। वहीं पर कवि का आह्वान है कि कृत्रिम प्रदर्शनकारी जीवन शैली के बंधन से मुक्त होकर जीवन में सहजता की घारा को अपनाओ। क्योंकि यही स्नेह अंततः सुगंध बनकर, प्रकाश बनकर जीवन को फूलने देगा। इसको हमेशा स्वर्थरहित होना है। प्रसाद की पंक्तियाँ यहाँ उल्लेखनीय हैं– "पागल रे! वह मिलता है कब / उसको तो देते ही हैं सब।"

त्रिलोचन के लिए कविता सामाजिक बदलाव का एक माध्यम है। वे सहज मूल्यों की रक्षा में सजग हैं। वे जानते हैं कि उनका क्षरण होने पर समाज बिगड़ेगा। वह मानवता का ह्रास होगा। वस्तुतः त्रिलोचन की कविता 'दीप जलाओ' की सामाजिक चेतना मानवतावादी मूल्यों पर अवलंबित है।

◆

इकाई - 3

तूफ़ानों की ओर घुमा दो नाविक

कविता

अधिगम उपलब्धियाँ

- कविता का विश्लेषण करके आशय प्रस्तुत करता है।
- कविता का भाव लिखता है।
- पढ़ी हुई कविता के ताल-क्रम पर पंक्तियाँ जोड़ता है।

आशय / धारणा

- वैयक्तिक एवं सामाजिक संघर्षों से जूझते ही सफलता प्राप्त कर सकते हैं।
- संघर्ष जीवन की ऊर्जा और ऊष्मा है।

मूल्य / मनोभाव

- मुश्किलों का सामने करते हुए जीवन में आगे बढ़ता है।
- विघ्नों से सिद्धियों को छीनकर सफलता प्राप्त करता है।

सामग्री

- स्टीफ़न हॉकिंग का प्रेरणादायक वीडियो। (समग्रा)
- स्लाईड।
- चींटियों के जीवन पर आधारित वृत्त चित्र। (समग्रा)

समय

4 कालांश

गतिविधि - 1

- स्टीफ़न हॉकिंग के जीवन पर आधारित वीडियो दिखाएँ।
- वीडियो पर चर्चा चलाएँ :
    - ⊙ यह प्रतिभा कौन है?
    - ⊙ आप जानते हैं, उनका कार्यक्षेत्र कौन-सा है?
    - ⊙ उन्हें अपनी ज़िंदगी में किन-किन चुनौतियों का सामना करना पड़ा?
    - ⊙ इन कठिनाइयों को उन्होंने कैसे पार किया?

छात्रों को स्वतंत्र प्रतिक्रिया करने का अवसर दें।

अध्यापिका संक्षिप्तीकरण करें :

1963 में स्टीफन हॉकिंग जब सिर्फ 21 सल के थे, तब उन्हें Amyotrophic Lateral Sclerosis (ALS) नाम की बीमारी हो गई। इसके चलते उनके अधिकतर अंगों ने धीरे-धीरे काम करना बंद कर दिया था। फिर भी उन्होंने अपनी पढ़ाई को जारी रखा और तमाम चौंकानेवाले शोध दुनिया के सामने रखे। हॉकिंग एक वीलचेयर के सहारे चल पाते थे और एक कंप्यूटर सिस्टम के जरिए पूरी दुनिया से जुड़ते थे। वे इस बीमारी से जूझते रहे और जीवन में आगे बढ़ते रहे।

गतिविधि - 2

आप कहें,

अब हम एक कविता पढ़ेंगे और देखेंगे कि इस कविता का स्टीफन हॉकिंग की ज़िंदगी से क्या संबंध है।

- पन्ना 58 की कविता ‘तूफानों की ओर घुमा दो नाविक’ मौन रूप से पढ़ने का निर्देश दें।
- आशय ग्रहण आसान बनाने के लिए शब्दार्थ स्लाईड द्वारा

प्रस्तुत करें।

- निम्नांकित कन्सप्ट मैप प्रस्तुत करें और कविता के आधार पर इसकी पूर्ति करने का निर्देश छात्रों को दें:

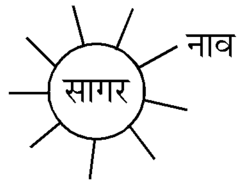

- अपनी-अपनी कॉपी साथियों को हस्तांतरण करने का निर्देश दें।
- आप एक नमूना श्यामपट पर पेश करें।
- इसके आधार पर छात्र सही गलत का निशान लगाएँ और कॉपी अपने साथी को वापस दें।
- आवश्यक है तो छात्रों को परिमार्जन का मौका दें।

इन प्रश्नों के आधार पर चर्चा चलाएँ और छात्रों को स्वतंत्र प्रतिक्रिया करने का मौका दें। :

- ⊙ तूफान से लोग क्यों डरते हैं?
- ⊙ तूफान का परिणाम क्या होता है?
- ⊙ ज़िंदगी का तूफान क्या-क्या हो सकता है?
- ⊙ नाविक क्या करता है?
- ⊙ पतवार किसके लिए है?
- ⊙ कठिनाइयाँ ज़िंदगी का तूफान है तो सिंधु क्या होगा?
- ⊙ ज्वार क्या होता है?
- ⊙ ज़िंदगी का ज्वार क्या हो सकता है?
- ⊙ ऐसे में 'तूफानों की ओर घुमा दो' का मतलब क्या होगा?

आप संक्षिप्तीकरण करें।

यहाँ कवि का नाविक से कहना है कि तुम तूफानों से बचकर नहीं भागो बल्कि तूफानों से दो-दो हाथ करने के लिए अपनी पतवार से नाव को तूफानों की ओर ही मोड़ दो। आज सिंधु ने विष उगला है, मतलब समुद्र का रूप आज भयावह है। समुद्र की लहरों का यौवन मचल उठा है अर्थात् आज की युवा पीढ़ी कुछ भी करने को तैयार है। आज युवाओं के हृदय में कुछ भी करने का आवेग प्रबल है। समुद्र में ज्वार उठा है। वह भयानक और खतरनाक हो गया है। लेकिन इसके बावजूद नाविक को कवि की प्रेरणा है कि हे नाविक तुम अपनी पतवार से नाव को तूफानों की ओर घुमा दो, उससे जूझने की शक्ति तुममें है।

चर्चा ज़ारी रखें और छात्रों को स्वतंत्र प्रतिक्रिया करने का मौका दें। :

- ⊙ लहरों के स्वर की विशेषता क्या है?
- ⊙ 'लहरों के स्वर में बोलना' का मतलब क्या होगा?
- ⊙ अंधड़ का मतलब क्या है?
- ⊙ जीवन का अंधकार क्या-क्या हो सकता है?
- ⊙ 'साहस तोलना' का मतलब क्या है?
- ⊙ तो 'अंधड़ में साहस तोलो' से आपने क्या समझा?
- ⊙ अकसर हम किसको प्यार करते हैं?
- ⊙ अगर तूफान जीवन की कठिनाई है तो 'तूफानों को प्यार करना' का मतलब क्या है?

आप संक्षिप्तीकरण करें।

> आगे कवि कहते हैं कि तुम भी लहरों के स्वर में कुछ बोलो, लहरों की तरह हुंकार भरो। इस भयानक अंधड़ या आंधी में अपने साहस को तोलो, मतलब अपना साहस बनाए रखो। ऐसे तूफान का आमना-सामना तो विरले ही होता है। इसलिए तुम तूफान की ओर अपनी पतवार घुमा दो।

कविता के अगले छंद पर चर्चा ज़ारी रखें और छात्रों को स्वतंत्र प्रतिक्रिया करने का मौका दें :

- ⊙ समुद्र की विशेषताएँ क्या-क्या हैं?
- ⊙ सीमा का मतलब क्या है?
- ⊙ यहाँ 'असीम' किसे कहा गया है?
- ⊙ 'अपनी सीमा जानना' का मतलब क्या है?
- ⊙ कवि ने मानव की क्या विशेषता बताया है?

आप संक्षिप्तीकरण करें।

> तीसरे अंतरे में सुमन जी कहते हैं कि इस असीम सागर को भी उनकी सीमा बताने की ज़रूरत है। सागर की अथाह जल राशि में वैसे तो मिट्टी के पुतले मनुष्य का नाश करने की शक्ति है लेकिन तुम यह दिखा दो कि समुद्र के सामने मनुष्य जैसा कमज़ोर प्राणी भी कभी हार नहीं मानता है। इसलिए हे नाविक तुम अपनी पतवार तूफानों की ओर घुमा दो।

- कविता के अंतिम छंद पर चर्चा चलाएँ और छात्रों को स्वतंत्र प्रतिक्रिया करने का अवसर दें।

- ⊙ माँझी कौन है?
- ⊙ थकना का अर्थ क्या है?
- ⊙ 'कब थकता है' प्रयोग का मतलब क्या होगा?
- ⊙ 'जीवित रहने तक' के आशय से मेल खानेवाली पंक्ति कौन है?
- ⊙ किसके बल पर सातों सागर पार करना है?

आप संक्षिप्तीकरण करें।

> चौथे अंतरे में कवि सागर की क्षमता के बारे में बतलाते हैं, साथ ही यह भी कहते हैं कि माँझी या नाविक कभी थकता कहाँ है? जब तक साँसें चलती रहती हैं उसके हाथ भी चलते रहते हैं। वह निरंतर कर्मरत है। अपने इस निरंतर प्रयास के बावजूद ही वह सातों सागर पार कर सकेगा। इसलिए तुम अपनी पतवार को तूफानों की ओर घुमा दो।

कविता का भाव वैयक्तिक रूप से लिखने का निर्देश दें।

वैयक्तिक लेखन।

- दो-तीन छात्रों की प्रस्तुति।
- दलों में परिमार्जन का मौका दें।
- दलों की ओर से प्रस्तुति करने का मौका दें।
- ज़रूरत है तो अपनी ओर से कविता का भाव स्लाईड द्वारा प्रस्तुत करें।
- संशोधन कार्य चलाएँ।

अनुबद्ध कार्य दें :

- कविता का जो भाव छात्रों ने लिखा है, वह परिमार्जन करके लिखने का निर्देश दें।

गतिविधि - 3

अनौपचारिक संवाद।

- चींटियों के जीवन पर आधारित वीडियो दिखाएँ। (समग्रा से यह प्राप्त कर सकते हैं)
- वीडियो के आधार पर चर्चा चलाएँ :
    - ⊙ चींटियाँ क्या करती रहती हैं?
    - ⊙ चींटियों का आकार कैसा है, बड़ा है या छोटा?
    - ⊙ चींटी किस प्रकार की चीज़ों को लेकर चलती है?
    - ⊙ बाधाएँ आने पर क्या वह दुखी होती है?
    - ⊙ बाधाओं के सामने वह क्या असफल होती है?
    - ⊙ चींटियों से हमें क्या संदेश मिलता है?
- चर्चा से उभरे वाक्यों को श्यामपट पर लिखें।
- 'तूफ़ानों की ओर घुमा दो नाविक' कविता का वीडियो (क्यू आर कोड-पन्ना 59 के द्वारा) दिखाएँ या ताल-लय के साथ कविता पाठ करें।
- छात्रों को साथ गाने का मौका दें।
- बार-बार कविता पाठ करें और ताल अच्छी तरह समझने का मौका दें।
- श्यामपट पर चींटियों के बारे में लिखे वाक्यों की मदद से पंक्तियाँ लिखने का निर्देश दें।
- पंक्तियों में शब्दों का क्रम कविता के अनुकूल बदलने दें।
- दो-चार छात्रों से प्रस्तुत कराएँ।
- दलों में बैठकर परिमार्जन करने दें।

- दलों की ओर से प्रस्तुत कराएँ।
- टीचरवेर्शन प्रस्तुत करें :

चींटी छोटी चलती रहती
बड़ी चीज़ को लेती चलती
बाधाओं की आकुलता में
मानती कभी हार!
चलो निरंतर अरमानों पर अपना पैर पसार।

- संशोधन कार्य चलाएँ।
- वैयक्तिक रूप से परिमार्जन का अवसर दें।
- कक्षा में कविता संकलन का प्रकाशन कराएँ।

इकाई - 5

मेरी ममतामई माँ

संस्मरण

अधिगम उपलब्धियाँ

- संस्मरण पढ़कर पत्र लिखता है।
- पोस्टर तैयार करता है।
- मातृभाषा से हिंदी में अनुवाद करता है।

आशय / धारणा

- प्रियजनों की यादें सृजनात्मक अभिव्यक्ति की प्रेरणा बनती हैं।
- प्रियजनों के सकारात्मक व्यवहार से व्यक्ति को सफलता मिलती है।
- उच्च विचार रखनेवाले सबको मानते हैं।

मूल्य / मनोभाव

- प्रियजनों से जिगरी संबंध रखता है।
- सबसे प्रेमपूर्ण व्यवहार करता है।

सामग्री

- स्लाईड (जिसमें एकल परिवार और संयुक्त परिवार की विशेषताएँ हों)
- किसी विशेषांक का नमूना

समय

4 कालांश

गतिविधि - 1

अनौपचारिक संवाद।

कहें,

आप पन्ना 81 का चित्र देखें।

चर्चा चलाएँ :

- चित्र कैसा लगा?
- चित्र क्या बताता है?
- चित्र के लिए उचित शीर्षक लिखें।

दो-चार छात्रों को प्रस्तुत करने का मौका दें।

चर्चा चलाएँ :

1. पेड़ के नीचे कौन-कौन खड़े हैं?
2. वे पेड़ के नीचे क्यों खड़े होंगे?
3. ऐसे में पेड़ की छाया किसका प्रतीक हो सकता है?

छात्रों को प्रत्येक प्रश्न पर प्रतिक्रिया करने का मौका दें।

चित्र का हाइकू स्लाईड द्‌वारा प्रस्तुत करें।

सूखता नहीं
यह प्रेम का वट
तुम्हारा बोया

हाइकू पढ़ने को कहें।

पूछें :

⊙ हाइकू में पेड़ की क्या विशेषता बताई गई है?
⊙ 'प्रेम का वट' से क्या तात्पर्य है?
⊙ हाइकू और चित्र के आशय का क्या संबंध है?

- छात्रों को प्रतिक्रिया करने का मौका दें।

- चित्र के लिए दूसरा शीर्षक लिखने का अवसर दें और प्रस्तुत कराएँ।

कहें :

> दुनिया में सब प्यार के साये में रहना चाहते हैं। प्यार एक ऐसा एहसास है जो दिन ब दिन बढ़ता रहता है। हम ऐसा एक संस्मरण पढ़ेंगे... देखते हैं कौन किसे याद करता है और किसके प्यार का स्मरण करता है।

गतिविधि - 2

- ए.पी.जे.अब्दुल कलाम के भाषण से संबधित वीडियो क्यू आर कोड के द्वारा दिखाएँ और चर्चा चलाएँ कि वे क्या बता रहे हैं।
- अब हम देखें कि 'मेरी ममतामई माँ' पाठभाग के द्वारा वे हमसे क्या कहना चाहते हैं।
- पाठ्यपुस्तक का पन्ना 82 के पहले दो अनुच्छेद पढ़ने का निर्देश दें।
- वाचन प्रक्रियाः
    - वाचन के लिए पर्याप्त समय दें।
    - अपरिचित शब्दों का अर्थ श्यामपट या प्रोजेक्टर के ज़रिए प्रस्तुत करें।
    - आशय समझने के लिए ये प्रश्न पूछें :
        - ⊙ 'मैं उस समय दस साल का था।' -यहाँ 'मैं' कौन है?
        - ⊙ 'किल्लत' से क्या तात्पर्य है?
        - ⊙ 'सभी वस्तुओं की किल्लत हो गई थी'। क्यों?
        - ⊙ 'कुनबे' से क्या तात्पर्य है?
        - ⊙ कलाम के परिवार एकल है या संयुक्त?
        - ⊙ 'एकल' परिवार की विशेषताएँ क्या है?
        - ⊙ संयुक्त परिवार से क्या मतलब है?
        - ⊙ आपका परिवार एकल है या संयुक्त?

*

- ⊙ 'कलाम के घर में खुशी और गम का आना जाना लगा रहता था।' इसका कारण क्या होगा?
- ⊙ एकल परिवार और संयुक्त परिवार की अपनी-अपनी विशेषताएँ हैं। ये विशेषताएँ क्या-क्या हैं?

वर्कशीट स्लाईड द्‌वारा प्रस्तुत करके पूर्ति करने का निर्देश देता है।

एकल परिवार	संयुक्त परिवार
....	....
....	....
....	....

दो-चार छात्रों से प्रस्तुतीकरण कराएँ।

संक्षिप्तीकरण करें।

• आप कहें :

- आप पाठ के अगले तीन अनुच्छेद मौन रूप से पढ़ें।
- आशयग्रहण सुनिश्चित करने के लिए ये प्रश्न पूछें:
  - ⊙ कलाम के गणित के शिक्षक कौन थे?
  - ⊙ उनके शिक्षण का तरीका कैसा था?
  - ⊙ छात्रों पर उनका कठोर शर्त क्या था?
  - ⊙ पिता, कलाम को कहाँ ले जाया करता था?

पाठ की गहराई तक छात्रों को ले जाने के लिए यह प्रश्न करें :

- ⊙ 'शहर में सबसे पहले मैं ही लोगों तक समाचार पत्र पहुँचाता था।' इस प्रस्ताव से बालक कलाम का कौन-सा मनोभाव प्रकट होता है?

- वैयक्तिक प्रयास के उपरांत दो-तीन को उत्तर प्रस्तुत करने का मौका दें।
- दलों में विचार विनिमय करके लिखने का मौका दें।

- मदद के लिए दलों में ये प्रश्न पूछें :
    - ⊙ तुम कितने बजे रोज़ उठते हो?
    - ⊙ कब तक पढ़ोगे?
    - ⊙ सबेरे किसी काम में जुड़ा रहना पड़ा तो?
    - ⊙ अगर है तो तुम खुश होगे?
    - ⊙ कलाम सुबह पैदल कहाँ जाते थे?
    - ⊙ रेलवे स्टेशन में कलाम किस काम में भाग लेता था?
    - ⊙ 'जिम्मेदारी निभाना' से क्या तात्पर्य है?
    - ⊙ 'माँ मुझे सामान्य नाश्ता देती; जो मेरे अन्य भाई बहनों को दिए जानेवाले नाश्ते की तुलना में कुछ विशेष होता।" माँ ऐसा क्यों करती थी?
    - ⊙ स्कूल की छुट्टी के बाद शाम का वक्त उन्होंने कैसे बिताया था?
    - ⊙ क्या, कलाम समय के महत्व को मानता था?
    - ⊙ यहाँ कलाम के चरित्र की कौन-सी विशेषताएँ नज़र आती हैं?
- कलाम की चरित्रगत विशेषताओं पर चर्चा।
- स्वतंत्र प्रतिक्रिया का अवसर।
- अनुबद्ध कार्य दें :
- इन बिंदुओं के आधार पर चरित्रगत विशेषताओं पर टिप्पणी तैयार करें।
    - स्वाभिमानी
    - परिश्रमी
    - सेवाव्रती
    - जिम्मेदार

- कहें,

    ⊙ आगे क्या हुआ होगा?

- संस्मरण का अंतिम अंश पढ़ने का मौका देता है।
- वैयक्तिक वाचन।
- दलों में विचार विनिमय।
- आशय समझाने के लिए पूरी कक्षा में विश्लेषणात्मक प्रश्नों से चर्चा चलाएँ।

    ⊙ उसने अपने हिस्से की भी सारी रोटियाँ तुम्हें दे दीं। भाई की इस बात पर बालक कलाम की प्रतिक्रिया क्या होगी?,

गतिविधि - 3

- अनुबद्ध कार्य की जाँच।
    - दो-तीन छात्रों की प्रस्तुति।
    - दलों में परिमार्जन।
    - टीचरवेर्शन की प्रस्तुति।
    - संशोधन।
- पन्ना 84 के वर्कशीट की पूर्ति करने का अवसर दें।
- वर्कशीट की पूर्ति करके कक्षा में प्रस्तुत करवाता है और उसपर चर्चा चलाता है।
- इसी प्रकार के अन्य वाक्य ढूँढ़ निकालने का अवसर देता है।
- दलों द्वारा उसका प्रस्तुतीकरण करवाता है।

गतिविधि - 4

कहें,

- कलाम के चरित्र चित्रण इकट्ठा करके हम 'कलाम अपना कलाम' शीर्षक पर एक विशेषांक निकालेंगे।
- आवश्यक चर्चा चलाएँ, प्रश्न करें।
    - ⊙ विशेषांक में किन-किन बातों को शामिल करना है?
    - ⊙ इसकी तैयारी कैसे करेंगे?
    - ⊙ मुख पृष्ठ कैसा होगा?
    - ⊙ पीछे के आवरण पृष्ठ में क्या होगा?
    - ⊙ प्रकाशन कार्य कैसे और कहाँ करना है?

    यहाँ पर किसी विशेषांक का नमूना भी दिखाएँ।

आप कहें,

- तो हम इस विशेषांक के पीछे के आवरण पृष्ठ के लिए एक पोस्टर तैयार करें।
- वैयक्तिक रूप से पोस्टर तैयार करें।
- दलों द्वारा प्रस्तुति एवं परिमार्जन कराएँ।
- मूल्यांकन सूचकों के आधार पर छात्रों की उपज का आकलन करें।
- प्रकाशन कार्य चलाएँ।